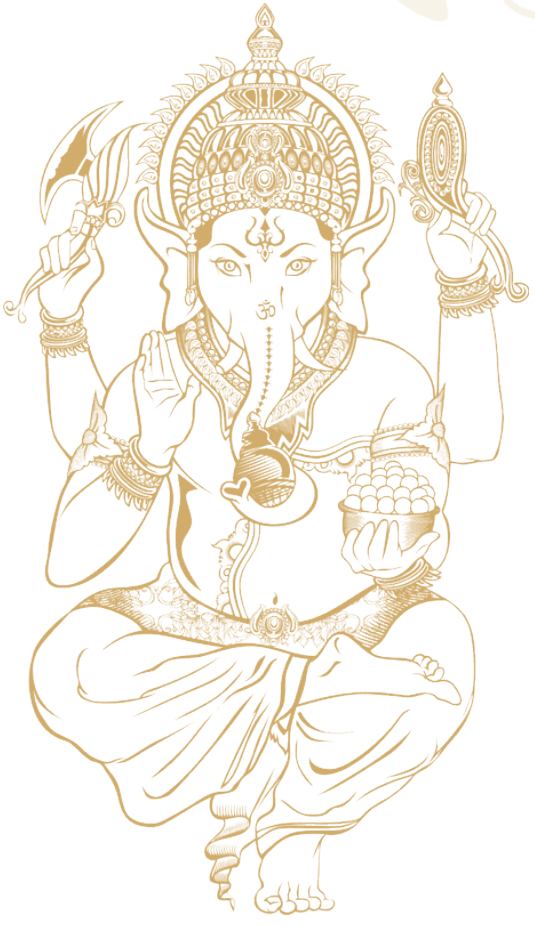

# Mr.Yash Kumar

# Surabhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121871602

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 24/11/1995 | जन्म तिथि | 30/03/1998 |
| शुक्रवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 10:47:34 | जन्म समय | 21:30:00 घंटे |
| घटी 11:02:52 | जन्म समय(घटी) | 39:09:17 घटी |
| India | देश | India |
| Gorakhpur | स्थान | Ghazipur |
| 26:45:00 उत्तर | अक्षांश | 25:36:00 उत्तर |
| 83:23:00 पूर्व | रेखांश | 83:36:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:03:32 | स्थानिक संस्कार | 00:04:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:22:25 | सूर्योदय | 05:49:49 |
| 17:03:34 | सूर्यास्त | 18:10:58 |
| 23:48:05 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:49:50 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 0वर्ष 6मा 3दि | 09:06:01 | मक | लग्न | वृश्चि | 00:33:02 | शुक्र 7वर्ष 4मा 22दि |
| सूर्य | 07:38:33 | वृश्चि | सूर्य | मीन | 15:55:04 | मंगल |
| 29/05/2023 | 29:36:02 | वृश्चि | चंद्र | मेष | 21:44:11 | 22/08/2021 |
| 28/05/2029 | 01:24:00 | धनु | मंगल | मीन | 26:06:06 | 21/08/2028 |
| सूर्य 15/09/2023 | 08:12:24 | वृश्चि | बुध व | मीन | 27:10:36 | मंगल 18/01/2022 |
| चन्द्र 16/03/2024 | 27:07:44 | वृश्चि | गुरु | कुंभ | 19:03:07 | राहु 05/02/2023 |
| मंगल 22/07/2024 | 02:03:07 | धनु | शुक्र | मक | 29:27:17 | गुरु 12/01/2024 |
| राहु 15/06/2025 | 24:11:57 | कुंभ | शनि | मीन | 27:46:21 | शनि 20/02/2025 |
| गुरु 04/04/2026 | 02:16:13 | तुला व | राहु व | सिंह | 16:24:52 | बुध 17/02/2026 |
| शनि 17/03/2027 | 02:16:13 | मेष व | केतु व | कुंभ | 16:24:52 | केतु 16/07/2026 |
| बुध 21/01/2028 | 03:42:17 | मक | हर्ष | मक | 17:59:20 | शुक्र 15/09/2027 |
| केतु 28/05/2028 | 29:39:09 | धनु | नेप | मक | 08:00:09 | सूर्य 21/01/2028 |
| शुक्र 28/05/2029 | 06:43:48 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 14:07:37 | चन्द्र 21/08/2028 |

## लग्न-चलित

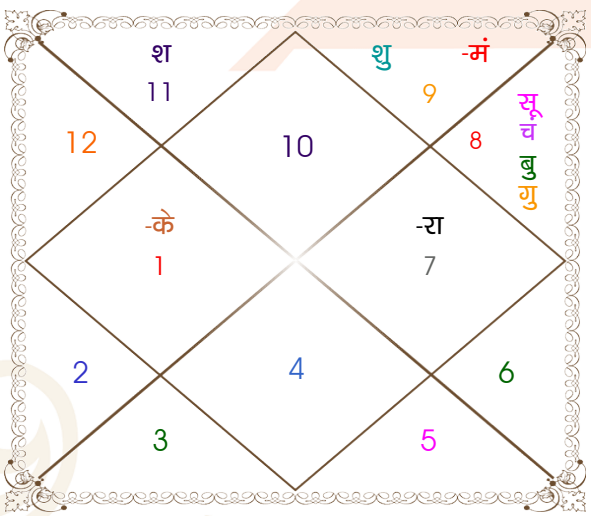


## लग्न-चलित

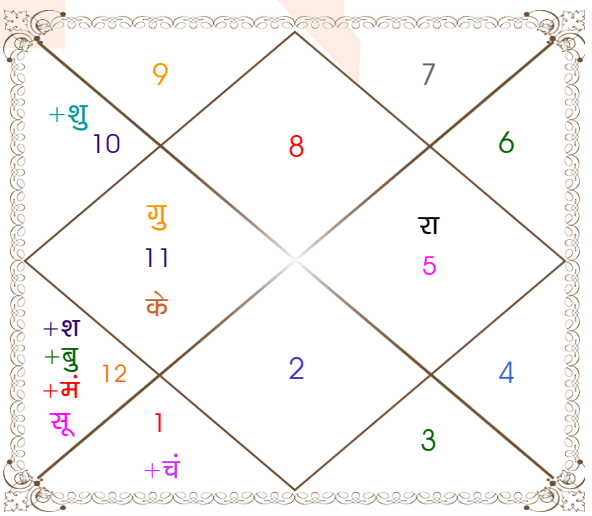

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | गज | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | मंगल | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | मेष | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 18.50 | | |

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्लै ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा ैनतंइीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लै ज्ञनउंत और ैनतंइीप का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण्लै ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्लै ज्ञनउंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैनतंइीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डतण्लै ज्ञनउंत तथा ैनतंइीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।